बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, बिहार

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या- 41/2025 **दिनांक-30 मई 2025**

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(31मई-04 जून 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- **भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार, 31 मई से 02 जून के दौरान जिले के एक या दो स्थानों पर हल्की वर्षा, गरज के साथ बिजली चमकने और 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। इसके बाद मौसम शुष्क और आकाश में बादल छाए रहने की संभावना है।**
- **अधिकतम तापमान 36-37 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 26-27 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80-90 प्रतिशत तथा दोपहर में 25-30 प्रतिशत रहने की संभावना है।**
- **पूर्वानुमान की अवधि में 07-14 किमी/घंटा की रप्तार से अगले दो दिन पूरबा और इसके बाद शेष पूर्वानुमान अवधि में पछिया हवा चलने की संभावना है।**

फसल	समसामयिक सुझाव
सामान्य सलाह	पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए तैयार मक्का फसल की कटनी, दौनी तथा दानों को सुखाने के कार्य में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। कीटनाशकों का छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।
धान	लम्बी अवधि वाले धान की किस्में जैसे-सबौर श्री, स्वर्णा सब-1 राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, स्वर्णा, वी0पी0टी0-5204 एवं राजेंद्र कस्तूरी की नर्सरी स्थापित करें। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25-1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800-1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल की नर्सरी तैयार करें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार अवश्य कर लें।
मक्का	खरीफ मक्का की बुआई आसमान साफ रहने पर ही करें। खेत की जुताई में 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाश का व्यवहार करें। अनुशंसित मक्का की किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान-1, शक्तिमान-2, राजेन्द्र संकर मक्का-3, गंगा-11 है।
मूंग एवं उरद	अगात मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई कर ले। पिछात बोयी गयी मूंग एवं उरद की फसल में पीला मोजैक रोग की निगरानी करें। उपचार हेतु रोग ग्रसित पौधों को उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा इमिडाक्लोरोप्रिड 17.8 एस0 एल0/0.3 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
बागवानी	लीची तोड़ने के बाद, खासकर बरसात शुरू होने से पहले बगीचे की जुताई करें और खाद-उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलोग्राम सड़ी गोबर की खाद, 2.5 किग्रा यूरिया, 1.5 किग्रा सिंगल सुपर फॉस्फेट, 1.3 किग्रा म्युरेट ऑफ पोटाश व 50 ग्राम सुहागा मिलाकर वृक्ष के चारों ओर समान रूप से मिट्टी में मिला दें।
सब्जियाँ	वर्तमान मौसम में लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसलों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही 1 किलोग्राम छोआ (गुड़), 2 लीटर मैलाथियान 50 ई0सी0 को 1000 लीटर पानी मे घोल कर प्रति हेक्टेयर की दर से 15 दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
पशुपालन	गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से बचाव के लिए टीकाकरण कराने की आवश्यकता है। सभी दुधारू पशुओ में टीकाकरण अवश्य कराये।